भा.कृ.अनु.प.-केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान

क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, भरूच

बारा क्षेत्र के साधनहीन अनुसूचित जाति किसानों को प्रशिक्षण और उर्वरकों का वितरण

आईसीएआर-सीएसएसआरआई, क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, भरूच द्वारा अनुसूचित जाति के किसानों को वैज्ञानिक तरीके से फसल उत्पादन लेने के लिए अरहर (किस्म GNP- 2) का बीज, उर्वरक (डीएपी और जिंक), कीटनाशक, जैव उर्वरक तथा जैविक तरल उर्वरक वितरित किए। यह कार्यक्रम अनुसूचित जाति परियोजना के अंतर्गत 15 सितंबर 2023 को केंद्र के समनी प्रायोगिक फार्म में आयोजित किया गया। भरूच जिले के तीन तालुकाओं (वागरा, आमोद और जंबूसर तालुका) के 11 गांवों के 25 अनुसूचित जाति के किसानों को बीज तथा अन्य सामग्री वितरित की गयी। परीक्षण के लिए किसानों को एक एकड़ क्षेत्र के लिए 6 किलोग्राम तुअर का बीज, 50 किलोग्राम डीएपी तथा 8 किलोग्राम जिंक उपलब्ध कराया गया| इसके साथ ही चूसक कीड़ों के लिए एक कीटनाशक, राईजोबियम जैव उर्वरक तथा नवसारी कृषि विश्विद्यालय द्वारा बनाया गया केले के तने से बना हुआ जैविक तरल उर्वरक "नोवेल" भी किसानों को वितरित किया गया । अनुसूचित जाति के किसानों से आधार कार्ड, अनुसूचित जाति प्रमाण पत्र की फोटोकॉपी, मोबाइल नंबर और हस्ताक्षर लिए गए। केंद्र के अध्यक्ष डा. अनिल चिन्चमलात्पुरे के निर्देशन में कार्यक्रम संपन्न हुआ| वैज्ञानिक डॉ. मोनिका शुक्ला, डॉ. सागर विभूते ने फसल के अभ्यास पैकेज, वितरित सामग्री के बारे में वैज्ञानिक जानकारी और अपने विषयों से संबंधित अन्य प्रासंगिक जानकारी किसानों को प्रदान की। किसानों को उर्वरकों के वैज्ञानिक प्रयोग के बारे में भी जानकारी दी गई। सामग्री वितरण तथा ट्रेनिंग के दौरान संस्थान के चंपक तवियाड, बलवंत डामोर, दिलीप वाघेला, अक्षय कुमार तथा प्रज्ञा पारेख उपस्थित रहे तथा अपना सहयोग प्रदान किया|

आईसीएआर-केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान,

क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, भरूच

बारा क्षेत्र के साधनहीन अनुसूचित जाति किसानों को प्रशिक्षण और सामग्री वितरण

आईसीएआर-सीएसएसआरआई, क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, भरूच द्वारा अनुसूचित जाति के किसानों को वैज्ञानिक तरीके से फसल उत्पादन लेने के लिए मूंग (किस्म GM- 6) का बीज, उर्वरक (डीएपी और जिंक), कीटनाशक, जैव उर्वरक तथा जैविक तरल उर्वरक वितरित किए। यह कार्यक्रम अनुसूचित जाति परियोजना के अंतर्गत 21 सितंबर 2023 को केंद्र के समनी प्रायोगिक फार्म में आयोजित किया गया। भरूच जिले के दो तालुकाओं (आमोद और जंबूसर तालुका) के 9 गांवों के 25 अनुसूचित जाति के किसानों को बीज तथा अन्य सामग्री वितरित की गयी। परीक्षण के लिए किसानों को एक एकड़ क्षेत्र के लिए 5 किलोग्राम मूंग का बीज, 50 किलोग्राम डीएपी तथा 8 किलोग्राम जिंक उपलब्ध कराया गया| इसके साथ ही चूसक कीड़ों के लिए एक कीटनाशक, राईजोबियम जैव उर्वरक तथा नवसारी कृषि विश्विद्यालय द्वारा बनाया गया केले के तने से बना हुआ जैविक तरल उर्वरक "नोवेल" भी किसानों को वितरित किया गया । अनुसूचित जाति के किसानों से आधार कार्ड, अनुसूचित जाति प्रमाण पत्र की फोटोकॉपी और मोबाइल नंबर और हस्ताक्षर लिए गए। केंद्र के अध्यक्ष डा. अनिल चिच्मालात्पुरे के निर्देशन में कार्यक्रम संपन्न हुआ| वैज्ञानिक डॉ. मोनिका शुक्ला, डॉ. सागर विभूते ने अनुसूचित जाति परियोजना के बारे में फसल के अभ्यास पैकेज, वितरित सामग्री के बारे में वैज्ञानिक जानकारी और अपने विषयों से संबंधित अन्य प्रासंगिक जानकारी किसानों को प्रदान की। किसानों को उर्वरकों के वैज्ञानिक प्रयोग के बारे में भी जानकारी दी गई। सामग्री वितरण तथा ट्रेनिंग के दौरान संस्थान के चंपक तवियाड, बलवंत डामोर, दिलीप वाघेला तथा अक्षय कुमार उपस्थित रहे तथा अपना सहयोग प्रदान किया|